जवाहर विस्तार दर्पण

संचालनालय विस्तार सेवायें

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर

अप्रैल-जून 2018 | त्रैमासिक समाचार पत्रिका | वर्ष-02 अंक - 07

इस अंक में

- विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ
- कृषक संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक
- कार्ययोजना 2018-19
- वार्षिक कार्ययोजना कार्यशाला 2018
- अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला
- कृषक भ्रमण
- राज्य स्तरीय आवासीय प्रशिक्षण
- कृषक संगोष्ठी
- छत्तीसगढ़ के कृषकों का भ्रमण
- माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किसानों से सीधा संवाद
- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन
- पर्यावरण विज्ञान पाठ्यक्रम परिचर्चा
- कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ

संरक्षक

प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन
कुलपति
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

मार्गदर्शक

डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता
संचालक विस्तार सेवाएं
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

प्रधान संपादक

डॉ. अर्चना पाण्डे

संपादक मंडल

डॉ. टी.आर. शर्मा
डॉ. संजय वैशंपायन
डॉ. वाय.एम. शर्मा
डॉ. अनय रावत
डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता

निदेशक की कलम से

वर्तमान समय में बढ़ती हुई जनसंख्या को ध्यान में रखते हुये फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए अत्याधिक रासायनिक खाद एवं रासायनों का प्रयोग किया जा रहा है, जिसके फलस्वरूप फसल उत्पादों में हानिकारक रसायनों के अवशेषों से मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण साथ ही साथ मृदा की उर्वरकता एवं मृदा स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव हो रहा है। इसके अतिरिक्त रोग कारकों में भी रासायनिक प्रतिरोधकता तथा नई उपजातियों का उत्पन्न होना भी रोग नियंत्रण में समस्या बनती जा रही है, अतः रासायनिक नियंत्रण के बढ़ते हुये दुष्प्रभावों को कम करने के लिए विकल्प के रूप में जैविक नियंत्रण एवं जैविक खाद बेवेरिया बेसियाना, मेटाराइजियम एजोटोवैक्टर, राइजोबियम, बीजीए, वैम, पीएसबी ट्राइकोडर्मा, बैसिलस एवं एजोटोबैक्टर एजोस्पाईरिलम एवं गोबर की खाद, कम्पोस्ट खाद, मटका खाद, जीवामृत, पंचगव्य, केंचुआ खाद का उपयोग जैविक खेती एवं समन्वित रोग प्रबन्धन में अति उत्तम है। उपरोक्त संदर्भ के तारतम्य में महती आवश्यकता है कि जैविक रोग नाशकों के सूक्ष्म आकार, मृदा निवास, पादप क्रिया एवं प्रयोग विधि जैसे भूमि उपचार, बीजोपचार आदि से प्रगतिशील कृषक एवं कृषक महिलाएँ अवगत हों।

डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता

विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ

कृषक संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक

दिनांक 13 अप्रैल, 2018 को संचालनालय प्रशिक्षण हाल में भारत कृषक समाज महाकौशल जोन मध्यप्रदेश के तत्वावधान में तथा माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में फसलों के प्रति एकड़/ हेक्टेयर लागत मूल्य गणना हेतु विश्वविद्यालय के प्रमुख विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में बैठक की गई। इस बैठक में जबलपुर समाज के कृषक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और विभिन्न फसलों की लागत मूल्य के संबंध में चर्चा की गई ।

कार्ययोजना 2018-19

दिनांक 16 एवं 17 अप्रैल 2018 के आगामी वर्ष 2018-19 की कार्ययोजना हेतु एक कार्यशाला का आयोजन विस्तार संचालनालय में किया गया जिसमें जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के अधीनस्थ समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों की भागीदारी रही। कार्यशाला में मुख्य अतिथि डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन, माननीय कुलपति थे एवं कार्यशाला की अध्यक्षता संचालक विस्तार डॉ. ओम गुप्ता ने की।

वार्षिक कार्ययोजना कार्यशाला 2018

केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल में आयोजित वार्षिक कार्ययोजना कार्यशाला 2018 जोन - 9, 23-24 अप्रैल, 2018 में 24 कृषि विज्ञान केन्द्रों (ज.ने.कृ.वि.वि.) ने परिसंवाद में भाग लिया। कार्यशाला की अध्यक्षता संचालक विस्तार सेवायें डॉ. ओम गुप्ता द्वारा की गई। इस अवसर पर डॉ. एस.के. राव, माननीय कुलपति, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर भी उपस्थित थे।

कृषक महिलाओं का भ्रमण

संचालनालय विस्तार सेवायें में बालाघाट की कृषक महिलाओं का भ्रमण दिनांक 8 मई, 2018 को हुआ, जिसमें 30 महिला कृषकों को संचालक विस्तार द्वारा कृषि से संबंधित जानकारी दी गई ।

अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

दिनांक 14-16 मई 2018 को 'पोषण संवेदनशील कृषि तथा पोषण साक्षरता' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन भोपाल में किया गया। कार्यशाला में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अधीनस्थ 20 कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों ने अपना शोध पत्र

प्रस्तुत किया एवं पोषण विषय पर भव्य प्रदर्शनी में अपने स्टॉल लगाये। कार्यशाला का उद्घाटन माननीय नरेन्द्र सिंह तोमर, केन्द्रीय मंत्री एवं माननीया श्रीमती अर्चना चिटनिस, मंत्री महिला एवं बाल विकास, मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक (कृषि विस्तार), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली एवं डॉ. एस.के. राव, कुलपति, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर एवं डॉ. अनुपम मिश्रा, संचालक अटारी, जोन-9, जबलपुर उपस्थित थे। कार्यशाला के द्वितीय दिन के तकनीकी सत्र में संयोजक की भूमिका संचालक विस्तार सेवायें डॉ. ओम गुप्ता ने निभाई।

कृषक भ्रमण

16 मई 2018 से 18 मई 2018 को श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन अंतर्गत 35 महिला कृषकों का समूह एवं 5 अधिकारियों ने विस्तार संचालनालय में भ्रमण किया। महिला कृषकों को जैविक खेती से संबंधित प्रक्षेत्र भ्रमण/इकाईयों का भ्रमण आदि कराया गया और प्रशिक्षण प्रदान किया गया और जैविक खेती का व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए महिलाओं को जैविक खेती को अपनाने हेतु प्रेरित किया गया।

राज्य स्तरीय आवासीय प्रशिक्षण

दिनांक 26 मई 2018 को राज्य स्तरीय आवासीय प्रशिक्षण 'आजीविका एवं जलवायु परिवर्तन अनुकूलन' परियोजना हेतु कार्यशाला का आयोजन मध्यप्रदेश के राज्य अजीविका मिशन द्वारा किया गया, जिसमें कृषि महाविद्यालय के विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा 66 प्रतिभागियों को मौसम विज्ञान, कीट शास्त्र, मृदा विज्ञान, फलोद्यान विकास, वानिकी एवं पशुपालन आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

कृषक संगोष्ठी

दिनांक 10 जून, 2018 को जिला स्तरीय कृषक सम्मेलन का आयोजन नाना जी देशमुख पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रांगण में किया गया, जिसमें माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी के द्वारा उत्पादकता प्रोत्साहन राशि का वितरण किया गया जिसका सीधा प्रसारण, जबलपुर से किया गया। कृषि महाविद्यालय एवं विस्तार संचालनालय के 12 वैज्ञानिकों ने भागीदारी की एवं सम्मेलन के माध्यम से कृषकों की आय दुगनी करने के लिए प्रशिक्षित किया गया ।

छत्तीसगढ़ के कृषकों का भ्रमण

दिनांक 13-16 जून, 2018 को सूरजपुर (अम्बिकापुर), छत्तीसगढ़ के किसानों का दल विस्तार संचालनालय में भ्रमण किया । कृषकों का दल जैविक खेती मिशन योजना अन्तर्गत पंजीकृत व चयनित हितग्राही थे, जिनको विश्वविद्यालय की प्रमुख इकाईयों का भ्रमण कर प्रशिक्षित किया गया।

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किसानों से सीधा संवाद

दिनांक 20 जून 2018 को ज.ने.कृ.वि.वि. के अधिनस्थ 20 कृषि विज्ञान केन्द्रों बालाघाट, बैतूल, छतरपुर, छिंदवाडा, दमोह, डिण्डौरी, हरदा, जबलपुर, कटनी, मण्डला, नरसिंहपुर, पन्ना, रीवा, सागर, सिवनी, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़, उमरिया में 'माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किसानों से सीधा संवाद 'कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्रों में वेबकास्ट के माध्यम से सीधा प्रसारण एवं संवाद किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न केन्द्रों में महिला कृषक एवं कृषकों ने भागीदारी की एवं केन्द्र में पदस्थ विषय विशेषज्ञों द्वारा कृषकों के प्रश्नों का उत्तर दिया एवं आगामी खरीफ कार्यक्रम की तैयारी हेतु मार्गदर्शन दिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

दिनांक 21 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ज.ने.कृ.वि.वि. के अधीनस्थ 20 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा योग की विभिन्न विधाओं का योग प्रशिक्षक द्वारा प्रदर्शन किया गया एवं केन्द्रों के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं ने योगाभ्यास किया जिसके अंतर्गत सूर्य नमस्कार, कपाल भारति, भ्रामरी, ताड़ासन, वज्रासन, अनुलोम-विलोम आदि योग क्रियाओं को किया गया ।

पर्यावरण विज्ञान पाठ्यक्रम परिचर्चा

दिनांक 23 जून, 2018 को संचालनालय विस्तार सेवायें में पर्यावरण विज्ञान पाठ्यक्रम पर एक परिचर्चा का आयोजनडॉ. पी.के. बिसेन, कुलपति, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में श्री अतुल कोठारी, सचिव, राष्ट्रीय शिक्षा संस्कृति उत्थान

न्यास एवं डॉ. सदाचारी सिंह तोमर, राष्ट्रीय समन्वयक, पर्यावरण शिक्षा, डॉ. कपिल देव मिश्रा, कुलपति, रानी दुर्गावती वि.वि, जबलपुर, डॉ. पी.डी. जुयाल, कुलपति, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा वि.वि., जबलपुर, डॉ. आर.एस. शर्मा, कुलपति, म.प्र. आयुर्विज्ञान वि.वि., जबलपुर, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा उपस्थित थे। संचालक विस्तार सेवायें, डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता ने परिचर्चा में भागीदारी की एवं डॉ. ए.एस. गोंटिया, विभागाध्यक्ष, पौध कार्यिकी विभाग एवं डॉ. एस.डी. उपाध्याय, विभागाध्यक्ष, वानिकी, डॉ. डी.के. जैन, डॉ. मनीष भान आदि विशेषज्ञों ने परिचर्चा में भाग लिया। धन्यवाद डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक अनुसंधान सेवाओं द्वारा दिया गया।

वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक

उमरिया, शहडोल, रीवा, सीधी कृषि विज्ञान केन्द्रों में वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक सम्पन्न हुई। कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख द्वारा प्रगति प्रतिवेदन एवं आगामी कार्ययोजना को प्रस्तुत किया गया। इन बैठकों में संचालनालय विस्तार सेवाओं के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ

कृषि विज्ञान केन्द्र, बालाघाट

वृहद किसान सम्मेलन एवं उत्पादकता प्रोत्साहन राशि वितरण समारोह

मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना अंतर्गत वृहद किसान सम्मेलन एवं उत्पादकता प्रोत्साहन राशि वितरण समारोह 15 अप्रेल 2018 नवोदय विद्यालय मैदान, वारासिवनी, बालाघाट में सम्पन्न हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं कार्यक्रम की

अध्यक्षता माननीय कृषि मंत्री श्री गौरीशंकर बिसेन ने की। इस कार्यक्रम में किसानों को गेहूँ एवं धान की बोनस राशि का वितरण किया गया तथा कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र, बालाघाट से कृषि वैज्ञानिकों डॉ. आर.एल. राऊत, डॉ. एस.आर. धुवारे, डॉ. एस.के. जाटव, डॉ. आर.पी. अहिरवार डॉ. ब्रजकिशोर प्रजापति एवं श्री हेमंत रांहगडाले द्वारा किसानों को सम्बोधित कर प्रशिक्षित किया गया। केन्द्र के द्वारा प्रदर्शनी में मक्के की संकर किस्मों, नेपियर चारा एवं हाइड्रोपोनिक्स मेले का प्रमुख आकर्षण का केन्द्र रहा ।

किसान समृद्धि एवं किसान मेला

जिला स्तरीय कृषक सम्मेलन बालाघाट में 10 जून 2018 को सम्पन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि माननीय श्री बोधसिंह भगत, सांसद (बालाघाट-सिवनी) एवं जिला अध्यक्ष बालाघाट, श्रीमती रेखा बिसेन

की उपस्थिति गरिमामय रही। इस कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री जी का जबलपुर से सीधा प्रसारण हुआ जिसमें महिला एवं कृषक बड़ी संख्या में उपस्थित रहें, इस कार्यक्रम में किसानों को उत्पादकता प्रोत्साहन राशि का वितरण किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र से कृषि वैज्ञानिकों डॉ. आर.एल. राऊत, डॉ. एस.के. जाटव, डॉ. आर.पी. अहिरवार, डॉ. ब्रजकिशोर प्रजापति एवं डॉ. एस.आर. धुवारे, ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल

कृषि विज्ञान केंद्र की अनोखी पहल से किसान के बच्चे पढ़ाई के साथ बनेंगे स्वावलम्बी

कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि विभाग की ओर से एक नवाचार शुरू किया जा रहा है, जिसमे किसान के बच्चे पढ़ाई के साथ साथ कमाई भी

कर अपने पैरों पर खड़े होकर स्वावलम्बी बन सकेंगे। चार्टेड अकाउंटेंट बार एसोशियन की मांग को देखते हुए इस नवाचार कार्यक्रम की शुरुआत बैतूल कलेक्टर ने कृषि विज्ञान केंद्र बैतूल बाजार में मंगलवार को फीता काटकर की।

कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. विजय वर्मा ने बताया कि पिछले वर्ष किसान दिवस के अवसर पर कृषि विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र ने इस नवाचार को चालू करने का निर्णय लिया था जिसमे टेक्स बार एसोशियेशन भी शामिल था। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन ही कृषि विज्ञान केंद्र में बैतूल बाजार नगर समेत आसपास के कुछ और ग्रामो से करीब 70 बच्चों का जिनका रजिस्ट्रेशन किया गया है। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्री शशांक मिश्र, कृषि विज्ञान केंद्र कार्यक्रम समन्वयक डॉ. विजय वर्मा, कृषि उपसंचालक डॉ. के.एस. खपेड़िये, श्री दीपक कपूर, सी.ए. श्री सुनील हिरानी, श्री बबलू दुबे, नगर परिषद अध्यक्ष श्री सुधाकर पवार, पार्षद श्री सुनील पवार, श्री सुभाष राठौर शामिल थे।

मुर्गीपालन पर ग्रामीण युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल में दिनांक 18 जून 2018 को केन्द्र प्रमुख डॉ. विजय कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. अनिल शिंदे की अगुवाई में मुर्गीपालन पर प्रशिक्षण का आयोजन केन्द्र पर किया गया जिसमें लगभग 21 ग्रामीण युवाओं ने भागीदारी की एवं प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. विजय कुमार वर्मा ने की एवं अपने अध्यक्षीय भाषण में ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण उपरांत मुर्गीपालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. आर.पी. यादव मौजूद थे। इसके उपरांत केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. संजीव वर्मा ने

छात्रों का प्रशिक्षण पूर्व मूल्यांकन किया एवं मुर्गीपालन के इस प्रशिक्षण से छात्र के रूप में सीखने की सलाह दी। प्रथम दिवस प्रशिक्षण में पशुपालन विभाग के डॉ. के.के. देशमुख एवं डॉ. शिंदे ने अपने व्याख्यान दिए ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छतरपुर

कुपोषण से मुक्ति हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र का प्रयास

दिनांक 27 जून 2018 को कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. कमलेश अहिरवार द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें, कृषकों की आय दुगनी करने हेतु एवं पोषण वाटिका के विकास के लिये कृषकों को प्रशिक्षण के माध्यम से नर्सरी प्रबंधन एवं उत्पाद को अच्छे दामों में विक्री करने हेतु प्रेरित किया साथ ही कृषकों को भारतीय उद्यानिकी अनुसंधान संस्थान के माध्यम से उन्नत किस्म के सब्जियों के बीज की मिनी किट का वितरण केन्द्र की प्रमुख, डॉ. वीणापाणि श्रीवास्तव के द्वारा किया गया।

कृषि कल्याण अभियान कार्यशाला

माननीय कलेक्टर, श्री रमेश भण्डारी द्वारा कृषि कल्याण अभियान कार्यक्रम की तीन दिवसीय कार्यशाला में कृषकों को सम्बोधित किया और कहा कि जिले के 25 गॉव से आये हुये एक एक अग्रणी कृषक कृषि विज्ञान केन्द्र में प्रशिक्षण लेकर ग्राम स्तर में कृषक दूत के रूप में अपनी उपयोगिता को सिद्ध करेंगे एवं साथ ही संकल्प लें कि जिले के 25 गॉव को कृषि उत्पादन, पशुपालन, कृषि यांत्रिकीकरण, वृक्षा रोपण, जैविक उर्वरक के निर्माण के क्षेत्र में स्वालम्बी बनाने का सम्पूर्ण प्रयास करेंगे इस अभियान में कृषि विज्ञान केन्द्र, नौगांव, छतरपुर एवं जिले के सम्बंधित विभाग पूरी तत्परता के साथ आपके सहयोगी रहेंगे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छिंदवाडा

किसान समृद्धि योजना हेतु मेले का आयोजन

दिनांक 15 अप्रैल 2018 को बालाघाट जिले में किसान समृद्धि योजना के शुभारंभ एवं वर्ष 2016-17 का गेहूँ एवं धान फसल के लिए बोनस प्रदान करने हेतु मेले का आयोजन किया गया। मेले में माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा म.प्र. के किसानों को वर्ष 2016-17 का गेहूँ एवं धान फसल उपार्जन का रू. 200/- प्रति क्विंटल

की दर से बोनस प्रदान किया गया तथा किसान समृद्धि योजना का शुभारंभ किया गया। मेले में कृषि विज्ञान केन्द्र, छिंदवाड़ा द्वारा जैविक उत्पादों, हरा चारा, जैविक फल सब्जी, आदिवासी उत्पादों आदि की प्रदर्शनी लगाई गई। जिसे माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा अत्यधिक सराहा गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, दमोह

कृषि कल्याण अभियान

भारत सरकार के कृषि मंत्रालय एवं किसान कल्याण द्वारा देश के 115 जिलों को एसपाईरेसनल जिले घोषित कर 'कृषि कल्याण अभियान' के अंतर्गत चयनित किया गया है जिसमें मध्यप्रदेश के दमोह जिला सहित 8 जिलों को सम्मिलित किया गया है। दमोह एसपाईरेसनल जिले के 25 ग्रामों को उक्त अभियान में चयनित किया गया है। इन चयनित एसपाईरेसनल ग्रामों में 01 जून 2018 से 31 जुलाई 2018 तक चलने वाले अभियान के अंतर्गत कृषि एवं संबंधित विभागों सहित कृषि विज्ञान केन्द्र दमोह द्वारा विभिन्न गति विधियों को सम्पन्न किया जा रहा है।

मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्, दमोह द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 20 जून 2018 से 22 जून 2018 तक 25 आकांक्षी ग्रामों के कृषकों को प्रशिक्षण प्रदाय किया, जिसमें चयनित ग्रामों के कृषकों ने भाग लिया कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डा. मनोज अहिरवार ने मधुमक्खी पालन डा. बी.एल साहू ने पोषण वाटिका एवं डा. पी. ठाकुर तथा डा. आर द्विवेदी ने मशरूम उत्पादन पर कृषकों प्रशिक्षण प्रदान किया कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डा. ए.के. श्रीवास्तव ने

प्रशिक्षण के महत्व को समझाते हुये उन्हें अपनी आय को दुगना करने के लिये कृषि के अतिरिक्त अन्य व्यवसाय को अपनाने की सलाह दी ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, डिण्डौरी

मृदा परीक्षण अभियान का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, डिण्डौरी के प्रमुख डॉ. हरीश दीक्षित के मार्गदर्शन में दिनांक 23 मई 2018 को विकासखण्ड समनापुर के ग्राम चपवार में मृदा परीक्षण अभियान का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत वैज्ञानिक कु. निधि वर्मा द्वारा कृषकों को मृदा परीक्षण के लाभ, परीक्षण हेतु मृदा नमूना एकत्रित करने का तरीका तथा परीक्षण पश्चात् अनुशंसा आधार पर खाद उपयोग करने की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। केन्द्र के मत्स्य वैज्ञानिक डॉ. सतेन्द्र कुमार ने उन्नत मत्स्य बीज का उपयोग करने पर जोर दिया। पशुपालन वैज्ञानिक, डॉ. प्रणय भारती ने बरसात में होने वाले पशु के रोगों से अवगत कराया एवं श्रीमती रेणु पाठक, कार्यक्रम सहायक द्वारा किसानों को ज्यादा से ज्यादा किसान मोबाईल संदेश से जुड़ कर लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा

ग्राम स्वराज अभियान में किया प्रतिभाग

हरदा जिले के तीनों विकासखंड हरदा, खिरकिया व टिमरनी में दिनांक 2 मई 2018 को ग्राम स्वराज अभियान का आयोजन किया गया। ग्राम स्वराज अभियान कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आर.सी. शर्मा, वैज्ञानिक डॉ. एस.के. तिवारी, डॉ. सर्वेश कुमार, डॉ. ओमप्रकाश एवं श्री मुकेश कुमार बंकोलिया द्वारा भागीदारी की गई। जिसमें जिले के 15 माननीय जनप्रतिनिधियों व कुल 453 कृषकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम में गांव की मूलभूत आवश्यकताओं, कृषि में तकनीकी पहलुओं, उन्नत उद्यानिकी उत्पादन, पशुपालन व सूक्ष्म उद्यम विकास व ग्रामीण नौजवानों को स्वरोजगारपरक व स्वावलंबी बनाने हेतु समग्र रूप से चर्चा कर तकनीकी जानकारी दी गई ।

अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में के.व्ही.के., हरदा के वैज्ञानिकों की सहभागिता

'पोषण संवेदनशील कृषि एवं पोषण साक्षरता' पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन भोपाल में दिनांक 14-16 मई 2018 को अटारी, जोन-9, जबलपुर एवं महिला बाल विकास विभाग, भोपाल द्वारा किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र, प्रमुख डॉ आर.सी. शर्मा के निर्देशन में कृषि विज्ञान केन्द्र की वैज्ञानिक डॉ संध्या मुरे, सुश्री जागृति बोरकर, डॉ सर्वेश कुमार एवं श्री प्रमोद प्रसाद पड़वार ने कार्यशाला में गृह विज्ञान विषय से संबंधित पौष्टिक खाद्य पदार्थों जैसे सोया बिस्कुट, सोया लड्डू, मुनगा मठरी, गेंहू पफ्स, मूंग दालमोठ, मूंग जोर गरम, विभिन्न प्रकार के रसायन मुक्त पावडर शरबत (खस,नींबू, गुलाब), आम का पना तथा ग्रामीण महिलाओं द्वारा बनायें गये हस्तशिल्प के अतंर्गत ब्लॉक छपाई की चादरें, तकिया कवर, मेजपोश, पर्दे तथा विभिन्न प्रकार के बैग आदि सामग्रियों की प्रर्दशनी लगाई ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर

सेवा कालीन प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर में दिनांक 24-25 मई 2018 को 'खरीफ दलहन उत्पादन व समेकित कीट व्याधि प्रबंधन' एवं 'उत्तम मृदा व उन्नत फसल उत्पादन 'विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें विषय विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया। इस कार्यक्रम में किसान

कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के 50 मैदानी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण में डॉ. मोनी थामस, डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. सिद्धार्थ नायक, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. अक्षता तोमर, श्रीमती जीजी ऐनी अब्राहम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. डी.पी. शर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को बेहतर फसलोत्पादन के लिए उत्तम मृदा के बारे में जानकारी दी।

कृषि विज्ञान केन्द्र, कटनी

जैव विविधता संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केंद्र, कटनी द्वारा डॉ. ए.के. तोमर (वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख) के निर्देशन में 22 मई 2018 को ज.ने. कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित जैव विविधता संरक्षण पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने प्रदर्शनी अवलोकन कर उत्पादों की सराहना की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जैव विविधता के बारे में किसानों के बीच जागरूकता पैदा करना था।

किसान सम्मेलन

एक दिवसीय किसान सम्मेलन दिनांक 10 जून 2018 को कृषि उपज मंडी, पहरुआ, कटनी में आयोजित किया गया, जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र, कटनी के वैज्ञानिकों ने डॉ. ए.के. तोमर (वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख) के निर्देशन में भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री संजय पाठक, राज्य मंत्री और विधायक विजयराघवगढ़, श्री संदीप जायसवाल, विधायक, कटनी और जन प्रतिनिधि थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के उद्बोधन से कृषक लाभान्वित हुए। कृषि वैज्ञानिकों ने खरीफ फसल उत्पादन सम्बन्धी जानकारी प्रदान की।

कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला

संकुल प्रदर्शन दलहन के हितग्राहियों को बीज वितरण कार्यक्रम संपन्न

कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला परिसर में संकुल प्रदर्शन दलहन अंतर्गत मण्डला विकासखंड के ग्राम ग्वारी, फूलसागर, पडरिया एवं गाजीपुर के प्रगतिशील 70 कृषकों को अरहर की उन्नत प्रजाति टी.जे.टी. 501 का प्रजनक बीज 8 किलो प्रति एकड़ एवं बीजोपचार हेतु ट्राइकोडर्मा विरडी (उकटा रोग से बचाव) स्फुर घोलक जीवाणु कल्चर तथा वायुमण्डलीय स्वतंत्र नत्रजन स्थिरिकरण हेतु राइजोबियम कल्चर के पैकिटों का वितरण किया गया साथ ही प्रशिक्षण के माध्यम से बीज बोवनी, बीजोपचार का तरीका बताया गया। उक्त कार्यक्रम में विशेषज्ञ, म.प्र. राज्य कृषि विपणन बोर्ड श्री सुनील नामदेव केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. विशाल मेश्राम एवं श्री विजय सिंह सूर्यवंशी आदि की उपस्थिति रही।

कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर

माननीय कुलपति द्वारा नरसिंहपुर के प्रगतिशील कृषकों के प्रक्षेत्र का भ्रमण

दिनांक 23 मई 2018 को ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर के माननीय कुलपति डॉ. पी.के. बिसेन, संचालक विस्तार डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता एवं प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. टी.आर. शर्मा एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर के वैज्ञानिक दल के साथ जिला नरसिंहपुर के नन्हेगांव व करकबेल ग्रामों के प्रगतिशील कृषक श्री राव गुलाब सिंह लोधी एवं श्री नारायण सिंह पटेल के प्रक्षेत्रों पर अन्य प्रगतिशील कृषकों के साथ भ्रमण किया। ग्रीष्मकालीन मूंग की खेती उन्नत तकनीक से एवं नवीन किस्मों पीडीएम -139, पूसा विशाल का अवलोकन किया। कृषकों

की आय दोगुनी करने हेतु अंतरवर्ती फसल उत्पादन मसूर-सरसों, गेंहू-गन्ना की खेती, मेड़नाली पद्धति का प्रयोग, फसल अवशेष प्रबंधन एवं फसल अवशेष नरवाई को नहीं जलाया जाने से लाभ एवं मिट्टी के परीक्षण के आधार पर पोषक तत्व प्रबंधन के सुझाव दिये।

प्रोट्रे में भू रहित माध्य में सब्जियों की पौध तैयार करने हेतु प्रशिक्षण

प्रोट्रे में कम समय में स्वस्थ पौध तैयार करनें हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर में एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 24 मई 2018 को आयोजित किया गया, प्रोट्रे में पौध का अंकुरण लगभग 25 - 30 दिन मे हो जाता हैं। प्रोट्रे में एक बार में लगभग 50 से 100 पौध एक साथ तैयार कर सकते हैं। एक प्रोट्रे को एक किसान लगभग दो से तीन बार उपयोग कर सकता हैं। पौधों को ट्रे सहित दूर स्थान पर ले जाना आसान होता हैं। सब्जियों जैसे टमाटर, बैगन, लौकी, गिल्की, खीरा, ककड़ी, इत्यादि के लिये 18-20 घन सेमी. आकार के खानो वाली ट्रे का प्रयोग किया जाता हैं। जबकि मिर्च, शिमला मिर्च एवं गोभी वर्गीय सब्जियों हेतु 8-10 घन सेमी. आकार वाली ट्रे उपयुक्त रहती हैं। य ह तकनीक संकर किस्म की पौध उत्पादन हेतु बहुत उपयोगी हैं। उक्त बाते प्रषिक्षण के माध्यम से डॉ. ऋचा सिंह ने कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आशुतोष शर्मा के दिशा निर्देशन में केन्द्र में आये हुये कृषकों से कही।

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना

खरीफ फसलों पर प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना के वैज्ञानिकों द्वारा जून माह में कल्दा पठार के आदिवासी कृषक/महिलाओं को खरीफ फसलों की उन्नत तकनीक पर

दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। कल्दा पठार समुद्र तल से 537 मी. की उंचाई पर पहाड़ों पर 45 गांवों में फै ला आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। यह जिला मुख्यालय से 111 कि.मी. की दूरी पर है। कल्दा पठार क्षेत्र से कृषक प्रशिक्षण में रिलायन्स फाउण्डेशन के संतोष कुमार सिंह के माध्यम से आये वैज्ञानिकों ने धान, उड़द, तिल, अरहर की उन्नत तकनीक पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। धान की उन्नत किस्म जे. आर. 75, जे. आर. 201, जे.आर.एच. 8, दन्तेश्वरी सहभागी, एम.टी.यू. 1010, एमआर 219, पूसा सुगन्धा 3, तिल किस्म टी.के.जी. 308, टी.के.जी. 306, टी.के.जी. 14, और उड़द की किस्म पी. यू. 31ए आजाद 3, शेखर 2, आई.पी.यू. 94-1, तथा अरहर की किस्में टी.जे.टी. 501, आई.सी.पी.एल. 87, पूसा 33,1, बीज जनित रोगों से फसल को बचाने हेतु सभी फसलों के बीजों को कार्बोक्सीन 37% + थायरम 37% फफूंदनाशक दवा 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित कर बुवाई करना चाहिए।

कलेक्टर पन्ना द्वारा गर्मी की समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन मूंग का अवलोकन

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अन्तर्गत गर्मी में समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन मूंग का 10 हे. गांव गुखौर वि.ख. पन्ना में तीसरी फसल को बढ़ावा एवं दलहन की पैदावार बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदर्शन कृषकों के खेतों वैज्ञानिकों के तकनीकी मार्गदर्शन में डाले गये। कलेक्टर पन्ना श्री मनोज खत्री को डॉ. बी.एस. किरार, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख एवं डॉ. आर.के. जायसवाल प्रभारी प्रदर्शन/वैज्ञानिक द्वारा कृषकों के खेतों पर मूंग प्रदर्शन फसल का अवलोकन कराया गया। कलेक्टर द्वारा कृषकों से मूंग प्रदर्शन अन्तर्गत अपनायी तकनीक पर चर्चा की गई। कृषकों ने कलेक्टर को बताया गया कि प्रदर्शन में मूंग की उन्नत किस्म आई.पी.एम. 02-03, अवधि 70 से 75 दिन की है। जिसमें पीला मोजेक रोग नहीं लगा है तथा प्रत्येक फली में 10-12 दाने हैं और प्रत्येक पौधे में 45 से 50 फलियां लगी हैं। प्रदर्शन में के.वी.के. से बीज-8 कि.ग्रा. राईजोबियम-80 मिली., पी.एस.बी. 280 मि.ली., थायोमेथाक्जाम 64 ग्राम, स्यूडोमोनास फ्लोरोसिंस 2 ली., नींदानाशक दवा (टरगासुपर) 250 मिली. एवं कीटनाशक दवाऐं (प्रोफेक्ससुपर) 250 मिली. प्रति एकड़ की दर से दी गई है। कलेक्टर को कृषकों से प्रदर्शन फसल से 4-5 क्विं/एकड़ मिलने की उम्मीद बतायी गई।

कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा

बीज उपचार सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 7 से 13 जून 2018 तक बीजोपचार सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन ग्राम छिजवार, डिहिया, नौढ़िया व करहिया में किया गया। सस्य वैज्ञानिक, डॉ. बी.के. तिवारी ने फसल उत्पादन में बीजोपचार के महत्व पर प्रकाश डाला। पौध संरक्षण वैज्ञानिक डॉ. अखिलेश कुमार ने बताया कि बीज को कीटनाशी रसायनों से जैसे थायोमेथाक्जाम 30 एफ.एस. या इमिडाक्लोप्रिड 48 एफ.एस. से उपचारित करके बोवाई करने से पीला रोग एवं चूसने वाले कीट के प्रकोप से बचाया जा सकता है। पौध रोग विशेषज्ञ, डॉ. के.एस. बघेल ने बताया कि 70 प्रतिशत तक बीज जनित बीमारियों के प्रकोप को जैव फफूँदीनाशक ट्राईकोडर्मा से उपचार करके बचाया जा सकता है एवं इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न ग्रामों के कुल 101 कृषकों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। डॉ. ए.के. पटेल ने जैव उर्वरकों जैसे राइजोबियम कल्चर, पी.एस.बी. कल्चर का महत्व व प्रयोग विधि पर चर्चा की।

खोखम ग्राम में विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया गया

दिनांक 20 मई 2018 को ग्राम खोखम में कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा द्वारा विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र रीवा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. ए.के. पाण्डेय ने बताया कि मधुमक्खी का फसलोत्पादन में काफी महत्व है, इससे मधु उत्पादन एवं सह उत्पाद जैसे मोम, वेनम, रायल जेली, परागकण आदि प्राप्त होते हैं। कार्यक्रम प्रभारी एवं पौध संरक्षण वैज्ञानिक, डॉ. अखिलेश कुमार ने अपने उद्बोधन में जानकारी दी कि वर्तमान में शहद की उपलब्धता 10 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रतिदिन है जबकि यह मात्रा प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 50 ग्राम होनी चाहिए। शहद उत्पादन हेतु मधुमक्खी (एपिस मेलिफेरा) के 50 मिलियिन छत्ते से 14 लाख मिलियन टन शहद का उत्पादन होता है। उद्यान वैज्ञानिक डॉ राजेश सिंह के अनुसार फलों एवं सब्जियों के उत्पादन में मधुमक्खियों द्वारा 15-20 प्रतिशत तक उत्पादन बढ़ जाता है। इस अवसर पर ग्राम के प्रगतिशील कृषक श्री देवेन्द्र त्रिपाठी, श्री बाबूलाल सिंह, उर्मिला कोल, रेखा कोल इत्यादि उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर

माननीय मंत्री द्वारा केन्द्र की गतिविधियों का अवलोकन

भारत सरकार के निर्देशानुसार कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर की गतिविधियों का अवलोकन भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास और अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री, माननीय डॉ. वीरेन्द्र कुमार जी ने दिनांक 4 जून 2018 को किया। इस अवसर पर सागर संसदीय क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद माननीय श्री लक्ष्मीनारायण यादव भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय की संचालक विस्तार सेवायें, डॉ. श्रीमती ओम गुप्ता के निर्देशन में डॉ. के.एस. यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर ने माननीय मंत्री जी, सांसद महोदय एवं अतिथियों को कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर की विभिन्न प्रदर्शन इकाईयों का भ्रमण कराकर केन्द्र की गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। माननीय मंत्री महोदय तथा सांसद जी ने तकनीकी प्रदर्शनी, उन्नत कृषि यंत्र एवं मृदा परीक्षण प्रयोगशाला इत्यादि का सघन अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने कृषक संगोष्ठी में पधारे जिले भर के प्रगतिशील कृषकों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों को भी संबोधित किया। इस अवसर पर माननीय श्री लक्ष्मीनारायण यादव, सांसद, सागर संसदीय क्षेत्र ने भी कृषकों को संबोधित किया। डॉ. श्रीमती ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेवायें, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर ने केन्द्र की गतिविधियों तथा कृषको के साथ किए जा रहे प्रयोगों व विस्तार गतिविधियों की जानकारी दी उन्होंने जागरूक होकर खेती की नई तकनीकी को अपनाने की सलाह दी। डॉ. आर. के. सराफ, प्रमुख वैज्ञानिक ने क्षेत्रीय कृषि अनुंसधान केन्द्र, सागर में किए जा रहे अनुसंधान गतिविधियों पर प्रकाश डाला। संचालन एवं आभार प्रदर्शन वैज्ञानिक डॉ. आशीष त्रिपाठी द्वारा किया गया।

मिर्च में पर्ण कुंचन बीमारी के नियंत्रण नैदानिक भ्रमण

उपसंचालक उद्यान, जिला – सागर के पत्र क्र. 442 दिनांक 30 मई 2018 के तारतम्य में दिनांक 06 जून 2018 को कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर के वैज्ञानिकों ने उद्यानिकी विभाग के साथ ग्राम चितौरा में मिर्च की फसल में पर्ण कुंचन बीमारी से ग्रसित खेतों का निरीक्षण कर देखा कि क्षेत्र में मिर्च के खेतों में सफेद मक्खी नामक कीट के प्रकोप से बीमारी का फैलाव हुआ है। लगातार कई वर्षों से ग्राम चितौरा में एक ही किस्म व्ही.एन.आर 145/109 के रोपण से यह समस्या आयी हुई प्रतीत होती है। कृषकों को सलाह दी गई कि मिर्च की पूसा सदावहार तथा अन्य ऐसी किस्मों का रोपण करें जो कि पर्ण कुंचन बीमारी के लिए सहनशील/प्रतिरोधी हैं साथ ही एकल फसल प्रणाली के स्थान पर ऐसी फसलें भी लगायें जो कि कीटों को आकर्षित करें जैसे– मूंग, उड़द जिससे मुख्य फसल कीटों से प्रभावित न हो तथा पीले व नीले चिपचिपे प्रपंचों को खेत में लगाए जिससे रस चूसक कीटों का प्रकोप कम किया जा सके एवं प्रारंभिक अवस्था में नीम आधारित कीटनाशी एवं बाद में ऐसीटामीप्रिड 150 ग्राम प्रति हेक्टेयर अथवा थायोमिथोक्जेम 200 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिवनी

पोषण स्वास्थ्य दिवस

कृषि विज्ञान केंद्र, सिवनी द्वारा न्यूट्री स्मार्ट ग्राम सेठेवानी में दिनाँक 24 अप्रैल 2018 को पोषण एवं स्वास्थ दिवस मनाया गया। डॉ. डी. सी. श्रीवास्तव वैज्ञानिक खाद्य विज्ञान द्वारा कुपोषित बच्चों एवं माताओं हेतु कम लागत में पौष्टिक व्यंजनों का निर्माण, कुपोषित बच्चों एवं माताओं हेतु पोषण थाली का निर्माण, साफ सफाई का ध्यान एवं कुपोषण के बचाव पर अपने विचार व्यक्त किये पोषण वाटिका में लगाये गये पौधों का अवलोकन किया गया एवं उनकी बढवार हेतु आवश्यक सुझाव दिये गये।

केंचुआ खाद उत्पादन एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन

कृषि विज्ञान केंद्र, सिवनी, में दिनाँक 11 मई 2018 को वानिकी विभाग के सहयोग से केंचुआ खाद उत्पादन एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन प्रशिक्षण रखा गया जिसके अंतर्गत वानिकी विभाग के 42 अधिकारियों ने भाग लिया। कृषि विज्ञान केंद्र के श्री ए.पी. भंडारकर वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख तथा प्रमुख संरक्षक वन विभाग, सिवनी द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डॉ. के.के. देशमुख वैज्ञानिक, मृदा विज्ञान के द्वारा केंचुआ खाद उत्पादन तकनीक एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर व्याख्यान दिया गया। डॉ. एन. के. सिंह वैज्ञानिक, उद्यानिकी द्वारा जैविक खेती पर प्रशिक्षण दिया। डॉ. डी. सी. श्रीवास्तव ,वैज्ञानिक खाद्य विज्ञान द्वारा वन विभाग के उत्पादों के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर प्रकाश डाला गया। डॉ. निहारिका शुक्ला वैज्ञानिक, पादप प्रजनन, द्वारा जैविक खेती में बीजों की गुणवत्ता पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षणार्थियों का प्रक्षेत्र भ्रमण एवं प्रयोगिक प्रशिक्षण डॉ. डी. सी. श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल

एरोमा मिशन के अंतर्गत सुगन्धित फसलों की खेती विषय पर जागरूकता कार्यक्रम

एरोमा मिशन के अंतर्गत मध्यप्रदेश में आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सुगन्धित फसलों की खेती विषय पर जागरूकता कार्यक्रम 14 जून 2018 को केंद्र में किया गया. इस कार्यक्रम में सीमैप, लखनऊ द्वारा

विशेषज्ञ भी सम्मलित हुए, जिन्होंने शहडोल जिले में सुगन्धित फसलों के खेती के अवसरों पर प्रकाश डाला ।

किसान कल्याण दिवस

किसान कल्याण दिवस के अवसर पर 2 मई 2018 को प्रत्येक विकासखंड पर एक कृषक कार्यशाला आयोजित की गयी, जिसमें केंद्र के वैज्ञानिकों ने कृषकों को प्रशिक्षण दिया। इसमें कृषकों की आय दुगनी करने पर समन्वित कृषि पर जोर दिया गया। इस कार्यक्रम में पूरे जिले के 546 कृषक लाभान्वित हुए।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी

क्लस्टर प्रदर्शन के तहत कृषक प्रशिक्षण सम्पन्न

कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी द्वारा खरीफ 2018 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत दलहन फसलों के क्लस्टर प्रदर्षन हेतु 30 हेक्टेयर में 75 कृषकों के यहॉ प्रदर्शन डाले गये है। दिनांक 26-29 जून 2018 को क्रमशः कृषि विज्ञान केन्द्र कार्यालय, ओवरहा, गोपालपुर, ममदर, मझियार, बैरिहा एवं जोगीपुर में प्रशिक्षण दिया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी के प्रमुख प्रो. महेन्द्र सिंह बघेल के मार्गदर्शन में केन्द्र के सस्य वैज्ञानिक डा. धनंजय सिंह द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। केन्द्र के प्रमुख, प्रो. एम.एस. बघेल द्वारा बताया गया कि दलहन का उत्पादन कम होने के कारण यह कार्यक्रम आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन एवं कीट प्रबंधन की विस्तार से जानकारी दी गयी। डा. अलका सिंह, गृह वैज्ञानिक द्वारा बताया गया कि यदि फसल की उन्नत बीज एवं उन्नतशील किस्म का प्रयोग किया जाय तो उत्पादन बढ़ाया जा सकता है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिंगरौली

कृषि कल्याण अभियान के अन्तर्गत संचालित गतिविधियां

भारत सरकार द्वारा चयनित सम्भावना युक्त जिलो में शामिल सिंगरौली दिनांक 01 जून 2018 से जुलाई 31, 2018 तक कृषि कल्याण अभियान के अन्तर्गत जिले में चयनित 25 ग्रामों में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रस्संकरण विभाग तथा पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवाएं समन्वय से कृषि विज्ञान केन्द्र, सिंगरौली के नेतृत्व में शत-प्रतिशत मृदा स्वास्थ्य कार्ड, 05-05 फलदार पौधे प्रति परिवार के दर से वितरण, शत-प्रतिशत पशुओं के टीकाकरण एवं पशुओं में कृतिम गर्भाधान के साथ-साथ दलहन, तिलहन एवं अनाज मिनी किट तथा कृषि यंत्र वितरण कार्यक्रमों के साथ कृषिगत उद्यमों में कृषको को प्रशिक्षित किया जा रहा है। 30 जून 2018 तक कुल 12 ग्रामों में 695 कृषकों को ऑयस्टर मशरूम, वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन, मधु मक्खी पालन, गृह वाटिका, पशुधन उत्पादन एवं प्रबंध, मुर्गी एवं बकरी पालन के साथ-साथ अनाज वाली फसलो में समन्वित कीट एवं रोग प्रबंधन समन्वित खाद्य प्रबंधन इत्यादि विषयों में प्रशिक्षित किया गया तथा किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के सहयोग से कुल 1310 कृषकों को अरहर, तिल, मक्का एवं धान के बीज के साथ 318 कृषकों को स्प्रेयर, विनोवर एवं चैपकटर जैसे कृषि यंत्रों का वितरण किया गया। पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग के समन्वय से चयनित ग्रामों में कैम्प लगाकर 8755 पशुओं का टीकाकरण एवं 48 पशुओं में कृतिम गर्भाधान कराया गया। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रस्संकरण के समन्वय से प्रत्येक चयनित प्रत्येक ग्राम में 100 परिवारों को 05-05 फल वृक्ष (आम, अमरूद, अनार, नीबू) का वितरण कराया गया। कार्यक्रम में कृषकों द्वारा बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, टीकमगढ़

माननीय केंद्रीय मंत्री का भ्रमण एवं समीक्षा बैठक संपन्न

दिनांक 05 मई, 2018 को डॉ. वीरेन्द्र कुमार जी, केंद्रीय मंत्री, महिला बाल विकास एवं अल्प संख्यक विभाग के द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, टीकमगढ़ का भ्रमण एवं समीक्षा बैठक की गई । माननीय मंत्री जी के द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र का मृदा परीक्षण प्रयोगशाला, फसल संग्रहालय,

प्रदर्शन गैलरी एवं कृषि यंत्रों का अवलोकन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं श्रीमती डॉ. ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेवायें के द्वारा बताया गया कि कृषक सर्व प्रथम अपने मृदा का परीक्षण अवश्य करायें, सोयाबीन एवं उर्द को कूड नाली पद्धति से बोनी करें। डॉ. बी.एल. शर्मा, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय ने कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा संचालित योजनाओं, तकनीक, प्रदर्शन एवं पौध किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ. एच.एस. राय, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा कृषि की आय को दुगना एवं लाभ का धंधा बनाने हेतु कृषकों को विस्तृत जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में श्री अनुराग वर्मा, सांसद प्रतिनिधि, वैज्ञानिक डॉ. प्रमोद गुप्ता, डॉ. आर.के. प्रजापति, डॉ. एस.के. सिंह, डॉ. यू.एस. धाकड़, डॉ. आई.डी. सिंह, डॉ. गजानन मालवीय, डॉ. आर.एस. रघुवंशी एवं उन्नतशील कृषक मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बी.के. दीक्षित, वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि महाविद्यालय एवं आभार प्रदर्शन डॉ. एस.के. सिंह, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र ने किया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, उमरिया

किसान मेला सह प्रदर्शनी

मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के अंतर्गत एक दिन का किसान मेला सह प्रदर्शनी दिनांक 10 जून 2018 को अमर शहीद स्टेडियम, उमरिया में आयोजित हुआ। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र वैज्ञानिकों ने किसानों की आय दुगुनी करने के विषय में जानकारी दी इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्रदर्शनी भी लगाई गयी इस अवसर पर 8260 किसान उपस्थित थे ।

स्वास्थ्य शिविर आयोजित

कृषि विज्ञान केन्द्र उमरिया, ने दिनांक 05 मई 2018 को सेटेलाइट ग्राम ताली में पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया ।जिसमें 50 किसानों के 250 पशुओं का टीकाकरण किया गया ।इस शिविर के दौरान कृषि वैज्ञानिक डॉ के व्ही सहारे और पशु चिकित्सा विभाग के पशु चिकित्सा अधिकारी श्री कुवर सिंह उपस्थित थे ।

बुक-पोस्ट
मुदित सामग्री

प्रेषक :
संचालनालय विस्तार सेवायें
जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय
अधारताल, जबलपुर (म.प्र.) 482004, भारत
Telefax: 0761-2681710
E-mail: desjnau@rediffmail.com
www.jnkvv.org

प्रति, _____

_____

_____